हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

अध्ययन प्रश्न – 2024–25

कक्षा : बारहवीं **विषय : हिन्दी (आधार)** **कोड : 502**

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश –

1 इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं– **खण्ड (अ)** और **खण्ड (ब)**।

2 खंड (अ) में बहुविकल्पीय और **खंड (ब)** में वर्णनात्मक प्रश्न हैं।

3 **खण्ड अ** में कुल 6 प्रश्नों के 30 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए हैं।

3 **खंड ब** में कुल 9 प्रश्न हैं। निर्देशानुसार विकल्पों का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

4 प्रश्नपत्र के दोंनों खंडों में प्रश्नों की कुल संख्या 15 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

5 प्रश्नों का उत्तर लिखते समय प्रश्न क्रम संख्या अवश्य लिखें।

6 सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखें।

खण्ड– (अ)

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **5 x 1= 5**

लोग गरीबी की एक बड़ी बुराई के रूप में शिकायत करते हैं तथा यह स्वीकृत विश्वास है कि यदि लोगों के पास काफी धन होगा तो वे खुश होंगे तथा उपयोगी होंगे साथ ही वे जीवन में ज्यादा कुछ प्राप्त करेंगे। सामान्यत: गरीबों की सुविधाओं से विहीन कुटियों में धनिकों के महलों की अपेक्षा ज्यादा सच्चा संतोष प्राप्त होता है तथा जीवन से ज्यादा सुकून प्राप्त होता है। मुझे सदैव धनिक लोगों के पुत्र–पुत्रियों पर दया आती है। इनकी सेवा के लिए नौकर–चाकर होते हैं और आगे की अवस्था में इनकी देखभाल के लिए निजी शिक्षिकाएँ होती हैं। साथ ही मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि व यह नहीं जानते कि उन्होंने क्या खोया है। इसलिए कि मैं जानता

हूँ कि गरीब एवं ईमानदार लोगों के घर कितने मधुर, प्रसन्न व पवित्र होते हैं, वे पीड़ादायक चिंता, सामाजिक वैमनस्य एवं ईर्ष्या से कितने मुक्त होते हैं। इनके परिवार के सदस्य परिवार के पोषण हेतु कितने एक–दूसरे से जुड़े हुए तथा प्यार–मोहब्बत से आबद्ध होते हैं। मेरी धनिकों के पुत्रों के साथ सहानुभूति है तथा मैं गरीबों के पुत्रों को बधाई देता हूँ। इन्हीं कारणों से गरीबों में से ही कोई शक्तिशाली एवं प्रतिष्ठा प्राप्त लोग और स्वनिर्भर व्यक्ति हमेशा से उत्पन्न हुए हैं और होते रहेंगे।

(क) लोग गरीबी की एक भयंकर बुराई के रूप में क्या शिकायत करते है ?

(i) वे गरीबी में खुशहाल नहीं रह सकते।

(ii) वे जीवन में उपयोगी नहीं हो सकते।

(iii) केवल (क)

(iv) (क) और (ख) दोनों

(ख) गरीबों के मध्य से किस प्रकार के लोग प्राप्त होते है।

(i) शक्तिशाली , प्रभुत्वपूर्ण , प्रतिष्ठाप्राप्त

(ii) प्रतिष्ठाप्राप्त , प्रभुत्वपूर्ण , आत्मनिर्भर

(iii) आत्मनिर्भर, प्रतिष्ठाप्राप्त , शक्तिशाली

(iv) आत्मनिर्भर, प्रतिष्ठाप्राप्त एवं ईश्वर से डरने वाले

(ग) लेखक के धनिक पुत्रों से सहानुभूति रखने का क्या कारण है?

(i) गरीब का घर मधुर एवं पवित्र होता है।

(ii) गरीब का घर पीड़ादायक चिंता से मुक्त होता है।

(iii) गरीब परिवार के सदस्य पोषण हेतु एक–दूसरे से जुड़े होते हैं।

(iv) उपरोक्त सभी

(घ) निम्न में से कौन– सा कथन सत्य नहीं है ?

(i) गरीब का घर मधुर ,खुशहाल एवं पवित्र होता है।

(ii) गरीब का घर पीड़ादायक चिंता से मुक्त होता है।

(iii) गरीब के घर में इनकी सेवा के लिए नौकर–चाकर होते हैं।

(iv) इनके परिवार के सदस्य परिवार के पोषण हेतु एक–दूसरे से जुड़े होते हैं।

(ङ) लेखक गरीबों की कुटियों को निर्धन कुटियाँ क्यों कहता है?

(i) वे साधारण रूप में सज्जित होती हैं।

(ii) वे दरिद्रतापूर्ण ढंग से सज्जित होती हैं।

(iii) वे आकर्षक होती हैं।

(iv) उनमें कुछ भी नहीं होता।

प्रश्न 2 निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1 X 5 = 5

रुका तू , रूक गया जग का सृजन
तिमिरमय नयन में डगर भूल कर
कहीं खो गई रोशनी की किरन
घने बादलों में कहीं सो गया
नई सुष्टि का सप्तरंगी सपन
रूका तू , गया रूक जग का सृजन
अधूरे सृजन से निराशा भला
किसलिए , जब अधूरी स्वयं पूर्णता?
सृजन की थकन भूल जा देवता!

(क) कवि ने किसे भूल जाने की बात कही है?

(i) निर्माण की थकान (ii) अंधकार

(iii) पूर्णता (iv) सप्तरंगी स्वपन

(ख) 'थके हुए कलाकार से' कविता में कवि ने क्या प्रेरणा दी है ?

(i) सो जाने की (ii) निरंतर चलने की

(iii) निराश होने की (iv) आराम करने की

(ग) कवि ने उपरोक्त पद्यांश में क्या संदेश दिया है?

(i) अधूरे कार्य से हताश होना।

(ii) अधूरे कार्य को दुगुने उत्साह से संपन्न करना।

(iii) कार्य को अधूरा ही छोड़ देना।

(iv) कल्पनाओं में ही कार्य को संपन्न करना।

(घ) गद्यांश में 'तिमिरमय' शब्द का क्या अर्थ है?

(i) प्रकाशमय (ii) ज्योर्तिमय

(iii) अंधकारमय (iv) निद्रामय

(ङ) **कथन (A) और (R) को पढ़कर उचित विकल्प चुनिए।**

कथन (A) लेखक ने कलाकार को जीवन में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है।

कारण (R) कलाकार अपना संपूर्ण जीवन कला को समर्पित कर देता है।

(i) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) गलत है।

(ii) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत है।

(iii) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है।

(iv) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या है।

प्रश्न 3 काव्य पर आधारित निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5 x 1= 5

(क) पतंग कविता में ' तितलियों की इतनी नाजुक दूनिया' से कवि का आशय है –

(i) आकाश में तितलियों का उड़ना।

(ii) रंगीन पतंगों का कोमलमय संसार।

(iii) तितलियों का शरीर बहुत कोमल।

(iv) तितलियों के उड़ने से आकाश का कोमल बन जाना।

(ख) भाषा के क्या करने से बात और अधिक पेचीदा हो गई?

(i) उलटने–पलटने (ii) हिलाने–डुलाने

(iii) (i) और (ii) दोनों (iv) केवल (i)

(ग) 'रुद्ध कोष है, क्षुब्ध तोष '– यहाँ **क्षुब्ध** का क्या अर्थ है ?

(i) खाली (ii) रूका हुआ

(iii) अशांत (iv) शांत

(घ) 'छोटा मेरा खेत' कविता में किसकी रोपाई की बात कही गई है?

(i) क्षण की (ii) फसल की

(iii) बीज की (iv) रसायन की

(ङ) 'दिन जल्दी–जल्दी ढलता है' कविता में कवि के हताश और दुखी होने का क्या कारण है ?

(i) समाज के कारण (ii) पत्नी की निष्ठुरता के कारण

(iii) संतान के कारण (iv) गरीबी के कारण

प्रश्न 4 गद्य पर आधारित निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5 x 1= 5

(क) भक्तिन के पति ने गुहस्थी का भार कितने वर्ष की पत्नी पर छोड़कर संसार से विदा ली?

(i) 27 वर्ष (ii) 28 वर्ष

(iii) 29 वर्ष (iv) 30 वर्ष

(ख) फ़िज़ूल सामान को फ़िज़ूल समझने वाले लोगों को क्या गया है?

(i) संयमी (ii) घमण्डी

(iii) मूर्ख (iv) लालची

(ग) 'देख, बिना त्याग के दान नहीं होता' कहते हुए दीदी ने लेखक के मुँह में क्या डाला था?

(i) लड्डू (ii) हलवा

(iii) जलेबी (iv) मठरी

(घ) 'एक कवि ब्रह्मा थे, दूसरे वाल्मीकि और तीसरे व्यास।' – यह गर्वपूर्वक किसने कहा था?

(i) शिखा (ii) सुलोचना

(iii) शकुन्तला (iv) विज्जिका देवी

(ङ) जाति–प्रथा के कारण मनुष्य के पेशे का निर्धारण कब कर दिया जाता है ?

(i) जन्म के साथ (ii) शिक्षा–प्राप्ति के साथ

(iii) गर्भधारण के साथ (iv) विवाह के समय

प्रश्न 5 **अभिव्यक्ति एवं माध्यम** पर आधारित निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दोजिए। 5 X 1= 5

(क) सामान्य खबरों से अलग किसी घटनाओं ,मुद्दों या समस्याओं का बारीकी से विश्लेषण कर पाठक तक पहुँचाना– – – – पत्रकारिता कहलाती है। 1

(i) समाचार (ii) बीट

(iii) फ़ीचर (iv) विशेषीकृत रिपोर्टिंग

(ख) इंटरनेट पर एक सेकेंड में कितने शब्द भेजे जा सकते हैं? 1

(i) 55 हजार (ii) 60 हजार

(iii) 65 हजार (iv) 70 हजार

(ग) टेलीविजन किस प्रकार का माध्यम है ? 1

(i) श्रव्य (ii) दृश्य

(iii) श्रव्य – दृश्य (iv) इनमें से कोई नहीं

(घ) किसी समाचार–संगठन में निश्चित मानदेय पर काम करने वाले को – – – पत्रकार कहते हैं। 1

(i) पूर्णकालिक (ii) अंशकालिक

(ii) फ्रीलांसर (iv) अल्पकालिक

(ङ) **स्तंभ लेखन के संबंध में निम्न में से कौन–सा कथन असत्य है ?** **1**

(क) यह विचारपरक लेखन का एक रूप है

(ख) स्तंभ का विषय चुनने के लिए लेखक को छूट होती है

(ग) संपादक द्वारा दिए गए विषय पर ही लेखक को स्तंभ लिखना पड़ता है

(घ) इसमे लेखक के विचार अभिव्यक्त होते हैं

प्रश्न 6 व्याकरण पर आधारित निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1X5=5

(क) निम्न में से **गुण संधि** का सही उदाहरण है। 1

(i) मात्राज्ञा (ii) महर्षि

(iii) अभ्युदय (iv) मतैक्य

(ख) ' सत्याग्रह' शब्द का उचित विग्रह छांटिए । 1

(i) सत्य के लिए ग्रह (ii) सत्य का ग्रह

(iii) सत्य का आग्रह (iv) सत्य के लिए आग्रह

(ग) **'पुस्तकालय'** शब्द में कौन –सा समास है ? 1

(i) कर्म तत्पुरुष समास (ii) संप्रदान तत्पुरुष समास

(iii) संबंध तत्पुरुष समास (iv) अपादान तत्पुरुष समास

(घ) **' मैनें यह कुर्सी सौ रुपये की खरीदी है।'** इस वाक्य में – – दोष है। 1

(i) क्रिया संबंधी (ii) मुहावरे संबंधी

(iii) पुनरुक्ति संबंधी (iv) परसर्ग संबंधी

(ङ) **निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य छाँटिए ।** **1**

(i) बच्चे को काटकर फल खिलाओ।

(ii) बच्चे को फल काटकर खिलाओ।

(iii) फल बच्चे को काटकर खिलाओ।

(iv) काटकर फल बच्चे को खिलाओ।

खण्ड– ब

वर्णनात्मक प्रश्न

प्रश्न 7 निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **5**

मैं स्नेह–सुरा का पान किया करता हूँ ,
मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ ,
जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते ,
मैं अपने मन का गान किया करता हूँ।

अथवा

निम्नलिखित पद्यांश के प्रश्नों का उचित उत्तर दीजिए।

नहला के छलके–छलके निर्मल जल से

उलझे हुए गेसुओं में कंघी करके
किस प्यार से देखता है बच्चा मुँह को
जब घुटनियों में ले के है पिनहाती कपड़े।
दीवाली की शाम घर पूते और सजे
चीनी के खिलौने जगमगाते लावे
वो रूपवती मुखड़े पै इक नर्म दमक
कच्चे के घरौंदे में जलाती है दिए।

प्रश्न :

(i) कवि और कविता का नाम लिखिए । 1

(ii) बच्चा किसके मुँह को प्यार से देखता ह? 1

(iii) ' छलके–छलके ' में कौन–सा अलंकार है ? 1

(iv) दीवाली की शाम घर कैसे दिखाई दे रहे हैं? 1

(v) काव्यांश में 'रूपवती ' किसे कहा गया है? 1

प्रश्न 8 काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दर्शाए गए अंकों के अनुसार उपयुक्त शब्दों मे दीजिए। 3 + 2 = 5

(क) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। 3

(ख) बादल राग कविता में कवि द्वारा बताई गई किसान की दशा का वर्णन कीजिए। 2

प्रश्न 9 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । 5

पर उस जादू की जकड़ से बचने का सीधा–सा उपाय है। वह यह है कि बाज़ार जाओ तो मन खाली न हो । मन खाली हो, तब बाज़ार न जाओ। कहते हैं लू में जाना हो तो पानी पीकर जाना चाहिए। पानी भीतर हो, लू का लूपन व्यर्थ हो जाता है। मन लक्ष्य में भरा हो तो बाज़ार भी फैला–का–फैला ही रह जाएगा। तब वह घाव बिलकुल नहीं दे सकेगा, बल्कि कुछ आनंद ही देगा।

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश के प्रश्नों का उचित उत्तर दीजिए।

जाति–प्रथा पेशे को दोषपूर्ण पूर्वनिर्धारण ही नहीं करती बल्कि मनुष्य को जीवन–भर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है। भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखों मर जाए। आधुनिक युग में यह स्थिति प्रायः आती है, क्योंकि उद्योग–धंधों की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी–कभी अकस्मात परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो, तो इसके लिए भूखों मरने के अलावा क्या चारा रह जाता है? हिन्दू धर्म की जाति प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले ही वह उसमें पारंगत हो। इस प्रकार पेशा परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख कारण बनी हुई है।

प्रश्नः

(i) लेखक और पाठ का नाम लिखिए। 1

(ii) मानव के सामने किस कारण भूखों मरने की स्थिति पदा हो जाती है? 1

(iii) मनुष्य को आधुनिक युग में अपना पेशा बदलने की आवश्यकता क्यों पड़ सकती है? 1

(iv) मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न होने के क्या परिणाम होता है ? 1

(v) जाति प्रथा बेरोजगारी को जन्म कैसे देती है? 1

प्रश्न 10 गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दर्शाए गए अंकों के अनुसार उपयुक्त शब्दों मे दीजिए। 3 + 2 = 5

(क) 'काले मेघा पानी दे' संस्मरण का मूलभाव स्पष्ट कीजिए। 3

(ख) लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत क्यों माना है ? 2

प्रश्न 11 निम्न प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। 5

मतदान का महत्त्व अप्रत्याशित विषय पर एक रचनात्मक लेख लिखिए। 5

अथवा

कहानी को नाट्य–रूपांतरण करते समय किन–किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है?

प्रश्न 12 निम्नलिखित दो प्रश्नों के उत्तर दर्शाए गए अंकों के अनुसार उपयुक्त शब्दों मे दीजिए। 3 + 2 = 5

(क) रेडियो के लिए नाटक किस प्रकार लिखा जाता है ? 3

(ख) प्रिंट माध्यम की किन्हीं दो–दो लाभ व हानियाँ लिखिए । 2

प्रश्न 13 'वितान भाग–2' पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दर्शाए गए अंकों के अनुसार उपयुक्त शब्दों मे दीजिए। 3 + 2 + 2 = 7

(क) आनंदा की कोई तीन चारित्रिक विशेषताए लिखिए। 3

(ख) 'अतीत में दबे पाँव' में वर्णित महाकुड का वर्णन कीजिए। 2

(ग) यशोधर बाबू अपने ही घर में बेचारे व असहाय कैसे बन गए? 2

प्रश्न 14 'व्याकरण' पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दर्शाए गए अंकों के अनुसार उपयुक्त शब्दों मे दीजिए। 3+2 = 5

(क) (i) रूपक अलंकार का लक्षण उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 2

(ii) '**काली घटा का घमण्ड घटा** ' में अलंकार का नाम लिखिए । 1

(ख) **स्वर संधि** को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए । 2

प्रश्न 15 **'आदर्श जीवन मूल्य (उत्तरा)'** पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दर्शाए गए अंकानुसार उपयुक्त शब्दों मे दीजिए। 2 X 4 = 8

(क) जीवन पथ पर सफलता पाने के लिए क्या जरूरी है?

(ख) हमें मन में क्या नहीं रखना चाहिए और क्यों ?

(ग) मन का आहार क्या है ?

(घ) दुर्गा भाभी के मन पर किन घटनाओं का गहरा आघात लगा ?

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

हिन्दी (आधार) **सीनियर सैकेण्डरी**

निर्धारित समय : 3:00 घण्टे। **पूर्णांक : 80**

कुल मुद्रित पृष्ठ : 8

मूल्यांकन निर्देश एवं आदर्श उत्तर

सामान्य निर्देश :

परीक्षार्थी के सही एवं उचित आंकलन के लिए उसकी उत्तर –पुस्तिका का मूल्यांकन एक महत्तपूर्ण कार्य है। इस कार्य में छोटी सी भी भूल/असावधानी गंभीर समस्या पैदा कर सकती है, जो परीक्षार्थी के भावी जीवन, शिक्षा प्रणाली एवं अध्ययन अध्यापन की व्यवस्था को कुप्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए आवश्यक है कि किसी परीक्षार्थी की उत्तर–पुस्तिका का मूल्यांकन करने से पहले मूल्यांकन निर्देशों का भली–भांति अध्ययन कर लिया जाए। उप–परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर–पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो ऐसी स्थिति में पूर्णांक देने में संकोच न करें।

मूल्यांकन कार्य करने के लिए महत्त्वपूर्ण निर्देश :

1 उत्तर–पुस्तिका का मूल्यांकन अंक–योजना में दिए गए निर्देशानुसार किया जाना है।

2 अंक–योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।

3 अंक–योजना में दिए गए उत्तर– बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एंव सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उचित अंक दिए जाएँ।

4 निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर के संदर्भ में परीक्षार्थी के उत्तर का जितना भाग सही हो , उसके अनुसार उचित अंक अवश्य प्रदान करें।

5 प्रश्न के उपभागों के उत्तर के अंक दाएं ओर दिए जाएँ और बाद में इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिए में अंकित किए जाएँ।

6 परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।

7 वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।

8 परीक्षार्थी के किसी प्रश्न के उत्तर में 10 प्रतिशत तक शब्द सीमा कम या अधिक होने पर उसे नजर अंदाज करें। परंतु अंतर 10 प्रतिशत से अधिक होने पर परीक्षार्थी को 1 अंक काट कर दंडित किया जा सकता है।

9 शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिया जाए।

10 भाषा–क्षमता एवं अभिव्यक्ति–कौशल पर ध्यान दिया जाए।

11 मुख्य–परीक्षकों / उप–परीक्षकों को उत्तर–पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/ Guidelines दी जा रही है, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य–परीक्षक से विचार–विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेकानुसार करें।

खण्ड अ

बहुविकल्पीय

प्रश्न न• 1 अपठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(i) (क) और (ख) दोनों 1

(ii) आत्मनिर्भर, प्रतिष्ठाप्राप्त , शक्तिशाली 1

(iii) उपरोक्त सभी 1

(iv) गरीब के घर में इनकी सेवा के लिए नौकर–चाकर होते है। 1

(v) वे दरिद्रतापूर्ण ढंग से सज्जित होती हैं। 1

प्रश्न न• **2** अपठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) निर्माण की थकान 1

(ख) निरंतर चलने की 1

(ग) अधूरे कार्य को दुगुने उत्साह से संपन्न करना। 1

(घ) अंधकारमय 1

(ङ) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या करता है। 1

प्रश्न न• 3 **'आरोह भाग–2'** पाठ्य पुस्तक पर आधारित काव्य खण्ड के बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) रंगीन पतंगों का कोमलमय संसार। 1

(ख) केवल (i) 1

(ग) अशांत 1

(घ) क्षण की 1

(ङ) प्रियतमा की निष्ठुरता 1

प्रश्न न• 4 **'आरोह भाग–2'** पाठ्य पुस्तक पर आधारित गद्य खण्ड के बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) 29 वर्ष 1

(ख) संयमी 1

(ग) मठरी 1

(घ) विज्जिका देवी 1

(ङ) गर्भधारण के साथ 1

प्रश्न न• 5 **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** नामक पुस्तक पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) विशेषीकृत रिपोर्टिंग 1

(ख) 70 हजार 1

(ग) श्रव्य – दृश्य 1

(घ) अंशकालिक 1

(ङ) संपादक द्वारा दिए गए विषय पर ही लेखक को स्तंभ लिखना पड़ता है 1

प्रश्न न• 6 **'व्याकरण'** पर आधारित निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(क) महर्षि 1
(ख) सत्य के लिए आग्रह 1
(ग) संप्रदान तत्पुरुष समास 1
(घ) परसर्ग संबंधी 1
(ङ) बच्चे को फल काटकर खिलाओ। 1

खण्ड– ब

वर्णनात्मक प्रश्न

प्रश्न न• 7 **'आरोह भाग–2'** नामक पाठ्य पुस्तक पर आधारित काव्यांश की व्याख्या अपेक्षित है। 5

प्रसंग – पाठ्य पुस्तक – आरोह भाग–2 , कवि – हरिवंशराय बच्चन , कविता– आत्मपरिचय

कवि ने जीवन में प्रेम के महत्त्व व संसार के लोगों की मानसिकता, व्यवस्था आदि का वर्णन किया है। 1½

व्याख्या– कवि ने बताया कि वह सदा प्रेम के नशे में डुबा रहता है। संसार की बातों पर ध्यान न देना। संसार की मानसिकता का वर्णन । कवि ने अपने गीतों में अपने मन के भावों को ही अभिव्यक्त किया है। 2

काव्य–सौन्दर्य –

- कवि ने प्रेम व मस्ती का सुंदर वर्णन किया है।
- शांत रस का सुंदर प्रयोग।
- प्रसाद गुण का समावेश।
- ' स्नेह–सुरा ' में रूपक अलंकार ।
- 'जो जग' व 'किया करता है' में अनुप्रास अलंकार की छटा दर्शनीय।
- वर्णनात्मक व आत्मपरक शैलियों का प्रयोग। 1½

अथवा

'आरोह भाग–2' नामक पाठ्य पुस्तक पर आधारित काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(i) कवि – फ़िराक गोरखपुरी , कविता – रुबाइयाँ ½ + ½ = 1

(ii) माँ के मुँह को 1

(iii) पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार 1

(iv) पुते हुए व सजे हुए 1

(v) छोटे बच्चे की सुंदर माँ को 1

प्रश्न न॰ **8** **'आरोह भाग–2'** के काव्य खंड पर आधारित दर्शाए गए अंकों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 3+2 =(5)

(क) अपाहिज व्यक्ति की पीड़ा व भावनाओं के साथ खिलवाड़ को दूरदर्शन के पर्दे के पीछे छिपें सत्य को रेखांकित किया है। कवि द्वारा कार्यक्रम संचालकों की करूणा में छिपी क्रूरता का पर्दाफाश करना। पीड़ा के प्रति स्वयं संवेदनशील होने और दूसरों को संवेदनशील बनाने की प्रेरणा दी है। 3

(ख) भरत के बाहुबल ,शील स्वभाव ,गुण और भगवान राम के चरणों में उनका अपार प्रेम आदि। 2

प्रश्न न॰ 9 **'आरोह भाग–2'** नामक पाठ्य पुस्तक पर आधारित गद्यांश की व्याख्या अपेक्षित है। 5

प्रसंग– पाठ्य पुस्तक– आरोह भाग–2, पाठ – बाज़ार– दर्शन ,लेखक– जैनेन्द्र कुमार परिचितों ,मित्रों से जुड़े अनुभव के माध्यम से बाज़ार की जादुई ताकत का एहसास कराना। 1½

व्याख्या – लेखक ने उदाहरणों के माध्यम से बाजार के जादू से बचने के उपायों का सुंदर व पभावशाली वर्णन किया है। लेखक ने आवश्यक वस्तुओं की खरीद में पूर्ण योजना के साथ बाजार में जाने की सलाह दी है। खाली मन से बाजार न जाने को प्रेरित किया है। 2

भाषा वैशिष्ट्य – अभिधा शब्दशक्ति ,आत्मकथात्मक शैली, तत्सम , तद्भव व उर्दू शब्दावली। 1½

अथवा

'आरोह भाग–2' नामक पाठ्य पुस्तक पर आधारित गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 5

(i) लेखक – डॉ• भीमराव आंबेडकर ½

पाठ – श्रम विभाजन एवं जाति प्रथा ½

(i) किसी अन्य पेशे में पारंगत होने पर भी जाति प्रथा से अनुपयुक्त या अपर्याप्त पेशा होने के कारण। 1

(iii) उद्योग–धंधों की प्रक्रिया व तकनीक में अचानक परिवर्तन आ जाने या विकास अवरुद्ध हो जाने के कारण। 1

(iv) उद्योग–धंधों की प्रक्रिया व तकनीक में अचानक परिवर्तन आ जाने या विकास अवरुद्ध हो जाने के कारण व्यक्ति को अपना व्यवसाय बदलना पड़ सकता है। पेशा बदलने की अनुमति न होने से उसे भूखा मरना पड़ सकता है। 1

(v) पेशा बदलने की अनुमति न देकर जाति प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख कारण बनी हुई है। 1

प्रश्न न• 10 **'आरोह भाग–2'** के गद्य खंड पर आधारित दर्शाए गए अंकों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (5)

(क) लोकास्था और विज्ञान के द्वंद्व चित्रण, पाखंड व अंधविश्वास का विरोद्धात्मक व्यंग्य, जल के महत्त्व पर प्रकाश डाला गया है। 3

(ख) अवधूत (सन्यासी) जिस प्रकार मस्त ,फक्कड़ ,अनासक्त और मादक होते हैं , शिरीष के फूल भी उसी प्रकार फक्कड़ होकर उपजते हैं। संयासी के गुणों से समानता होना। 2

प्रश्न न• **11** **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** पर आधारित किसी एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित हैं। (5)

- प्रारंभ 1
- विषय वस्तु 3
- भाषा 1

अथवा

- कहानी को समय और स्थान के आधार पर विभाजित किया जाता है।
- रूपान्तरण करते समय कहानी के पात्रों की दृश्यात्मकता और नाटक के पात्रों में उनका प्रयोग किया जाना चाहिए।
- संवाद छोटे– छोटे , पात्रानुकुल , प्रसंगानुकुल व सामान्य बोलचाल की भाषा में लिखे जाएं।
- पात्रों की भाव–भंगिमा और तौर–तरीके व संवादों से प्रभाव उत्पन्न किया जाए।
- कथावस्तु से संबंधित वातावरण , ध्वनि ,प्रकाश व्यवस्था , मंच–सज्जा और संगीत की व्यवस्था कर। 5

(विद्यार्थी के भिन्न उत्तर की स्थिति में विवेकानुसार मूल्यांकन करें)

प्रश्न न• 12 **'अभिव्यक्ति और माध्यम'** पर आधारित दर्शाए गए अंकानुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 3+2 = 5

(क) कहानी एक्शन प्रधान न हो , पात्रों की संख्या 5 से 6 हो , अवधि 15 से 20 मिनट , संवाद छोटे हों , ध्वनि का समय व स्थानानुसार प्रयोग। 3

(ख) **लाभ** – जन–जन तक पहुँच , सुविधानुसार उपयोग।

हानि– अनपढ़ लोगों के लिए अनुपयोगी , खबर तत्काल पहुँचाने में असमर्थ। 2

प्रश्न न• 13 **'वितान भाग–2'** पर आधारित दर्शाए गए अंकों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 3 + 2 + 2 = 7

(क) दूरदर्शी और बुद्धिमान ,कर्त्तव्यपरायण, काव्य–गुण, जूझारू आदि। 3

(ख) महाकुंड की लंबाई 40 फुट , चौड़ाई 25 फुट , गहराई 7 फुट। उत्तर दिशा में 8 स्नान घर , कुंड के तीन तरफ साधुओं के कक्ष,कुंड का निर्माण पक्की ईंटों से । 2

(ग) यशोधर बाबू के सहज ,सरल जीवन का पक्षधर होना, परिवार के अन्य आधुनिकतावादी सदस्यों के मन में यशोधर परंपरावादी सोच होने के कारण भिन्न विचारधारा होना। 2

14 **'व्याकरण'** पर आधारित दर्शाए गए अंकों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। (5)

(क) (i) **रूपक अंलकार**– काव्य में जहाँ बहत अधिक समानता होने के कारण उपमेय में उपमान का आरोप कर दिया जाए , वहाँ रूपक अलंकार होता है।

जैसे – अपरस रहत स्नेह तगा ते। 2

(ii) यमक अलंकार। 1

(ख) **स्वर संधि** – **2**

अवर्ण (अ, आ) इवण (इ ,ई) , उवर्ण (उ,ऊ) और ऋ के बाद समान जाति का स्वर आने पर जब उसी जाति का दीर्घ स्वर बन जाए तो उसे **स्वर संधि** कहते हैं। **जैसे** – विद्यालय – विद्या + आलय

15 **'आदर्श जीवन मूल्य'** पर आधारित दर्शाए गए अंकों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 2 x 4 = 8

(क) मन स्वस्थ ,शांत , स्थिर , एकाग्र , और विश्वास से भरपूर व मजबूत मनोबल आदि गुण जीवन में सुलता के लिए जरूरी हैं। 2

(ख) मन में कठोरता ,कटुता , क्रोध , आवेश ,तनाव, दबाव आदि नहीं रखना चाहिए क्योंकि इन अवगुणों के आधार पर कर्तव्य पथ पर बढ़ना आसान नहीं होगा। 2

(ग) अपने प्रिय प्रभु स्वरूप का नित्यप्रति ध्यान करना ही मन का आहार है। जिससे स्वयं ऊर्जा ,बल , ओज , शान्ति का अनंभव होगा। 2

(घ) दुर्गा देवी के लाहौर व इलाहाबाद के आवासों को जब्त करने , भगत सिंह , राजगुरू और सुखदेव को फाँसी देने आदि की घटनाओं से आघात लगा। 2